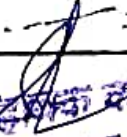


30/5/24 पत्रावली पेश हुई प्रार्थी की ओर

पत्रावली पेश हुई
30/5/24


- सचिव
जयपुर



क्र०स०

दिनांक आज्ञा
या कार्यवाही

30/5/24

से एवं अपाथीगण की ओर से कर्षण
उपरी प्राथीने दादा बाबल घोषणा
आधिकार अन्तर्गत धारा 188A के अन्तर्गत
आप्लाई निषेधाज्ञा राजस्थान
कारतकारी अधिनियम, 1955-पे
मिया गया है।

पत्रावली मध्य दक्षिण भारत अक्लोकन
से यह तथ्य सामने आया है
प्राथी दादा बाद के चरण लब्धा
02 में उल्लिखित विवादग्रस्त अराज

- ख.न० 409 रकबा 0.04 बिल्वा, ख.
- न० 412 रकबा 15 बीघा 12 बिल्वा,
- ख.न. 413 रकबा 08 बीघा 10 बिल्वा,
- ख.न. 414 रकबा 9 बीघा 4 बिल्वा
- ख.न. 403 रकबा 4 बीघा 6 बिल्वा

कुल खेत 05 रकबा 37 बीघा 18

बिल्वा संयुक्त खेत की अराजकी है।

जिलमे संयुक्त खेत की पैलुड अराजकी

होने के कारण वादी प्राथी का हित

व आधिकार जन्म से ही समाहित

है वादी / प्राथीने यह वाद

संयुक्त परिवार की भूमि में से

अपने पिता / प्रतिवादी संख्या 01

से विरासत के आधार पर अर्जित

फर्द अहकाम

MCM Jaipur

F.I 79/2022

बनाम

जुगल बिशोर vs भवेर लाल

120

ख्या/वर्ष

क्रमांक आज्ञा कार्यवाही


आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

30/5/24

व विद्यमान आधिकारों की घोषणा के लिए पेश किया है। पत्रावली में संलग्न रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि प्रतिवादी संख्या 01 की मूल्य दो चुकी हैं। प्रतिवादी सं. 01 की मूल्य होने के उपरान्त पैलुब सम्पत्ति के अन्तर्ण के आधार पर विरासत का नामान्तरण प्रतिवादी संख्या 01 के विधिवत वारिसों के नाम किया जा चुका है जिसका इन्डज जमाबंदी में हो गया है।

अतः वादी द्वारा जो घोषणा का अनुतोष अपने पिता/ प्रतिवादी संख्या 01 से चाहा गया है वर्तमान राजस्व रिपोर्ट के आधार पर वादी, पैलुब सम्पत्ति में से अपने हिस्से का खातेदार घोषित हो चुका है। वर्तमान में उक्त वाद को चलाए रखने का वाद कारण भी शेष नहीं बचा है। ऐसी स्थिति में वादी का वाद सारहीन हो गया है इसलिए सारहीन [Infructuous] होने के कारण पोषणीय नहीं होने से वादी का वाद खारिज किया जाता है।

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	30-5-24	<p>निर्णय आज दिनांक 30/5/24 को सरे इमलास सुनाया गया। पगावली फैसल कुमार है, नम्बर ले कम होकर दाखिल दफ्तर है।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलेक्टर जयपुर शहर प्रथम </p>